Paper - 3

STUDENT'S NAME [illegible]		OBTAINED
CLASS 10th	SUBJECT हिन्दी	
ROLL NO.	DATE	

I

1) नायक शब्द का स्त्री लिंग रूप यह है।

=) D) नायिका

2) 'उचित' शब्द का विलोम शब्द यह है।

=) B) अनुचित

3) 'दीवार' शब्द का बहु वचन रूप है।

=) C) दीवारें

4) इन शब्दों में से प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है।

=) B) कराना

5) यह वृद्धि संधि के लिए उदाहरण है

=) A) सदैव

6) यह शब्द द्वन्द्व समास का उदाहरण है -

=) A) पेड़ - पौधा

7) सीता ___ गाई । रिक्त स्थान में निम्न कारक आता है

=) C) ~~की~~ को

8) मीरा अच्छी लड़की है · इस वाक्य में प्रयुक्त विराम चिह्न यह है

=) A) पूर्ण

II

9) ~~काला~~ केला : पीला रंग :: सेब : लाल रंग

10) कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : कर्कश स्वर

11) अभिनव मनुष्य : दिनकर :: मातृ भूमि : भगवती चरण वर्मा

chandra's

12. रेल गाड़ी : पटरी :: हवाई जहाज : आसमान

III

13. टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है?
उ- टोमाटो भोजन का अवश्यक अंग बन गया है।

14. अब्दुल कलाम के पिता कैसे व्यक्ति थे?
उ- अब्दुल कलाम के पिता सादगी और आडंबर -हिन व्यक्ति थे।

15. रामचरित मानस के रचयिता कौन है?
उ- रामचरित मानस का रचयित तुलसीदास हैं।

16. बहाने क्यों बनाते है?
उ- बहाने आलस के लिए बनाते है।

IV

17. दुकानदार ने लेखक से क्या कहा?

उ- दुकानदार ने लेखक से कहा बाबूजी बड़े मजे -दार सेब आई है आप ले जाओ खाकर तबियत खुश हो जाता है।

18. लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाए?

उ- लेखिका गिल्लू को धीरे से उठाकर उपने कमरे में लायी। रुई के द्वारा रक्त पोंछा फिर गाँव पर पेंसिलिन का मरहम लगाया। रुई की पतली बत्ती बनाकर दूध में भिगोकर मुंह से लगाई परंतु उसका मुंह खुला फिर पानी की बूंद मुंह में टपकाई इस प्रकार उसके प्राण बचाये।

CLASS | SUBJECT
ROLL NO. | DATE

(19) सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे।

=> सोशल नेटवर्किंग की फेसबुक अरकुट आदि साइटस है। यह दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा किया है। इस साइटों से देश विदेश के लोगों के रहना-सहन खान-पान, वेशभूषा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव समाज पर पड़ा रहा है।

(20) लेखक ने कमरा छोडकर जाने का निरणय क्यों लिया?

=> लेखक ने कमरा छोडकर जाने का निरणय इसलिए लिया क्यों की एक-एक करके उसके सभी चीजों चुरा ली गई थी। वह सोचने लगा कि अगर वह यहां रुका तो वह ही चुरा लिया जाएगा।

21) बालकृष्ण अपनी माता से क्या शिकायत करते है?

=> बालकृष्ण अपनी माता से बलराम के प्रतीक यह शिकायत करते है की बलराम मेरे को चिडाता है की तु काला है, तुझे यशोदा ने जन्म नही दिया है बल्कि खरीद लिया है, देखो तुम तो काले हो और ये दोनों गोरे है। यह सुनकर सारे सब ग्वाल-बाल चुटकि बजा बजाकर मुझे देखकर हस्ते है। यह सब उन्हें बलराम ने ही सिखाया है।

22. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए।

उ- समय कि सदुपयोग का मतलब है सही समय पर सही काम करना। समय बहुमूल्य एंव उपयोगी होता है। समय का मूल्य जिसने समझ लिया, वही व्यक्ति अपने काम मे सफल हो सकता है। इसलिए आलस को छोड़कर बिना किसी बहने के काम को समय पर ही पूर्ण करना चाहिए। कल के ऊपर नहीं छोड़ना चाहिए। किसी को पता नहीं कि कल आएगा या नहीं।

23. शनि ग्रह का संक्षिप्त परिचय दीजिए

उ- शनि सौरमंडल का दूसरे बड़ा ग्रह है। शनि धीमी गती से चलते है। सूर्य का एक चक्कर लगाने मे धीमि गती से चलने में करीब 30 वर्ष लगता है। शनि एक राशि मे करीब ढाई साल तक रहता है। बहुत कम सूर्य ताप शनि ग्रह पर होता है। शनि सौर मंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

या

24. पौराणिक कथाओं के अनुसार शनि किसका पुत्र है? शनि एक राशी मे कितने सालों तक रहता है।

उ- पौराणिक कथाओं के अनुसार शनि सूर्य का पुत्र है। शनि एक राशि मे करीब ढाई साल तक रहता है।

24 (5) शास्त्रों में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया है।

-१ सत्यं ब्रुयात् प्रियं ब्रुयात् न ब्रुयात् सत्य मप्रियम् अर्थात सच बोलो जो दूसरे को प्रिय लगे अप्रिय सत्य मत बोलो।

इस स्थिति मे सत्य बोलने का अभ्यास क्यों है।

-१ सत्य वह चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है। अतः हमे हर स्थिति मे सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए।

१
25(6) गिल्लू के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए।

-१ लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर से पर्दे पर चढ़ता उतरता है। भूख लगने पर चिक चिक की आवाज करता है।
वर्षों तक गिल्लू उस मे रहा। वह स्वयं हिला कर अपने घर मे झूलता और कार्यकलाप पर सबको आश्चर्य होता था। वह खिड़की की खुली जाली की राह से बाहर चला जाता और दिन भर गिलहरियों के झुंड का नेता बना हर डाल पर उछलता कूदता रहता और ठीक 4:00 बजे व खिड़की से भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता।

२८। शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे?

-। शम्सुद्दीन रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे। अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुंचाते थे। जो पामबन से आती थी। इस अखबार एजेंसी को अकेले शमसुद्दीन ही चलाते थे। रामेश्वरम में अखबारों की ० कुमला 1000 प्रतियां बिकती।

२७। बसंत ईमानदार लड़का है! कैसे?

=। बसंत स्वाभिमान और ईमानदार लड़का था। वह मेहनत से पैसे कमाना चाहता था। इसलिए उसने पंडित राजकिशोर से दया की भीख लेने से इनकार किया। जब वह नोट भुनाने गया तब लौटते समय मोटर के नीचे आ गया और बुरी तरह से घायल होने पर भी वह अपने भाई प्रताप को पैसे लौटाने पंडित राजकिशोर के पास भेजता है।

२९। भारत माता का स्वरूप कैसे सुशोभित है?

=। मातृभूमि अपने एक हाथ में न्याय का झंडा और दूसरे में ज्ञान का दीप लिए सबको सही रास्ते पर चलने को प्रेरित कर रही है। उसके हृदय में अनेक महान विभूतियों - महात्मा गांधी। बुद्ध और राम का वास है। वह अपनी गोद में पल रहे बच्चों को परस्पर सहयोग से रहने के लिए प्रेरणा दे रही है।

ARUN'S

ROLL NO. DATE

29. इंटरनेट से क्या-क्या लाभ है?

=> इंटरनेट द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो स्थिर चित्र हो, विडियो चित्र हो दुनिया में किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। इंटरनेट आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग बन गया है। शायद इसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते है। व्यापार में इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते है। कोई भी बिल भर सकते है। बैंकिंग में इंटरनेट द्वारा दुनिया कि किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

30. बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की?

बिछेंद्री ने पहाड पर चढने की तैयारी इस प्रकार की कर्नल खुल्लर ने स उपकाल तक की चढाई के लिए तीन शिखर दलों के दो समूह बना दिया। वह सुबह चार बजे उठ गई बर्फ पिघलाई गई और चाई बनाई। कुछ बिस्कट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात वह लगभग साढे पांच बजे अपने तम्बू से निकल पडी।

31. दिनकरजी के अनुसार मानव का सही परिचय दीजिए।

=৬ दिनकर जि के अनुसार जितनी भी भौतिक ~~(क)~~ प्रगती प्राप्त करले यह उसका परिचय नहीं। उसका सही परिचय है कि वह मनुष्य हृदय पर जीत प्राप्त करे तथा मानव से मानव के बीच जो रुकावटे, द्वेष ~~(ख)~~ दूरियां है उन्हे मिटायें। तभी वह ज्ञानी तथा विद्वान कहलायगा।

32৮ राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार
तुलसी भीतर बाहिरो, जो चाहसी उजियार॥

=৬ प्रस्तुत दोहे के द्वारा तुलसीदास जी कहते है कि जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम-राम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है।

33৮ अब टोमोटो भोजन का अवश्यक अंग बन गया है। गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी। अमीर लोग तो गाजर का हल्वा ही खाते थे।

ಈಗ ಟೊಮೆಟೊ ಭೋಜನದ ಅವಶ್ಯಕ ಅಂಗವಾಗಿದೆ. ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಕೂಡಾ ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ~~(ವ)~~ ತರಕಾರಿಯಾಗಿತ್ತು ಸಾಹುಕಾರರು ಕ್ಯಾರೆಟ್‌ನ ಹಲ್ವ ತಿನ್ನುತ್ತಿದ್ದರು

VI
34) कर्नाटक का प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

प्रकृति माता ने कर्नाटक राज्य को उपने हाथों से संवारकर सुंदर और समृद्ध बनाया है। कर्नाटक की प्रकृतिक सौंदर्य नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्ही घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान है।

या

कर्नाटक कि शिल्पकला का परिचय दीजिए

कर्नाटक कि शिल्पकला अनोखि है। बादामी, ऐहोल, पट्टद कल्लू के मंदिर की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है। बेलूरु, हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिर में पत्थर की मूर्तियाँ सजीव लगती है। यहाँ के मूर्तियाँ रामायण महाभारत कि कहानियां सुनाति है। श्रवण-बेलगोल में 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला की प्रतिमा है। यह त्याग और शांति का संदेश दे रहि है।

35) जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मौदान छोडकर मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नही होति
कोशिश करनेवालो की कभी हार नही होती

VII

पाश्चात्य काव्य चिंतन का आरंभ यूनान में हुआ था। यूनान के सबसे पहले महाकवि होमर था और होमर की दो रचनाएँ 'इलियड' एवं 'ओडिसी' हैं। होमर की महान रचनाओं का उद्देश्य आनंद प्रदान करना था। होमर का समय ई. पूर्व ९वीं शताब्दी माना जाता है।

अ) यूनान के सबसे पहले महाकवि कौन थे?
= यूनान के सबसे पहले महाकवि होमर था।

आ) होमर की रचनाओं का उद्देश्य क्या था?
= होमर की महान रचनाओं का उद्देश्य आनंद प्रदान करना था।

इ) पाश्चात्य काव्य चिंतन आरंभ कब हुआ?
= पाश्चात्य काव्य चिंतन का आरंभ यूनान में हुआ था।

ई) होमर की रचनाएँ कौनसी हैं?
- होमर की रचनाएं आनंद प्रदान था।

VIII

इंटरनेट

1) विषय प्रवेश :
* आज का युग इंटरनेट का युग है।
* बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इंटरनेट का असर पड़ा है।

अर्थ :
* इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जाल का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

आज इंसान के लिए खानपान जितना जरूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक होगया।

लाभ :-

इंटरनेट द्वारा पल भर मे बिना ज्यादा खर्च किए भी विचार हो म्यूज़िक हो विडियो चित्र हो दुनिया के किसी भी कोने मे भेजना मुमकिन होगया है।
इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते है कोई भी बिल भर सकते है
इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।
इंटरनेट चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि मे अपना कमाल दिखाया है।

दुष्परिणाम / हानियाँ :-

★ इंटरनेट एक और वरदान है, तो दूसरी और अभिशाप भी है।
★ इंटरनेट से धोखाधड़ी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही है।
★ मुक्त वेबसाइट चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नही, बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाहो के पाश मे फस रहा है।

उपसंहार :-
★ इंटरनेट ने पूरि दुनिया को एक जगह लाकर खड़ा कर दिया है।

★ जीवन के क्षेत्र मे इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

chandra's

CLASS	SUBJECT
ROLL NO.	DATE

प्र

प्रेषक :-
तेजस्वी .दास
10वी कक्षा 'आ' विभाग
सरकारी हाईस्कूल.
चित्रदुर्ग

सेवा में :-
प्रधानाध्यापक
सरकारी हाईस्कूल
चित्रदुर्ग

आदरणीय महोदय

विषय : छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र।

उपर्युक्त विषय के संबंध में मेरी बहन। ... की शादी अपने गाँव में होनेवाले त्योहार में भाग लेने के कारण मैं विद्यालय आने में असमर्थ हूँ अतः आज दिनांक 7/5/2021 से 9/5/2021 तक दो दिन की छुट्टि देने की कृपा करें।

सधन्यवाद

आप का आज्ञाकारी
छात्र
तेजस्वी .दास